वन विज्ञान केन्द्र ओडिसा में

उन्नत नर्सरी, वृक्ष सुधार तकनिक, कृषि वानिकी एवं वृक्षारोपणों द्वारा कार्बन सिक्वेसट्रेशन एवं महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की कृषि तकनिक, मूल्य संवर्धन तथा वन रोपणियों के कीटों तथा रोगो का समन्वित प्रबंधन हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनाँक 28 फ़रवरी एवं 1 मार्च 2017 को कोरापुट स्थित वन विज्ञान केन्द्र ओडिसा में "उन्नत नर्सरी, वृक्ष सुधार तकनिक, कृषि वानिकी एवं वृक्षारोपणों द्वारा कार्बन सिक्वेसट्रेशन एवं महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की कृषि तकनिक, मूल्य संवर्धन तथा वन रोपणियों के कीटों तथा रोगो का समन्वित प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का का उदघाटन श्री एम. मोहन, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक कोरापुट वृत्त तथा श्री एस. जे.पी अर्थनारी उप वन संरक्षक द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वृक्ष सुधार के विभिन्न उपायो, ओडिसा राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल, वृक्षारोपणों द्वारा कार्बन सिक्वेसट्रेशन, महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की कृषि तकनिक, मूल्य संवर्धन तथा वन रोपणियों के कीटों तथा रोगो का समन्वित प्रबंधन पर व्याख्यान एवं प्रदर्शन द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न तकनिकी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों तथा ओडिसा वन विभाग के मैदानी अमले के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डा. नसीर मोहम्मद नें वृक्ष सुधार हेतु विभिन्न आनुवांशिकी उपायो की जानकारी देते हुए उच्च कोटि के बीजों की आपूर्ति सुनिशिचत करने हेतु बीज फलोद्यान की स्थापना एवं व्यवस्थापन पर भी प्रशिक्षाणर्थियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की। डा. संजय सिंह नें उ.व.अ.सं जबलपुर द्वारा विकसित कृषि वानिकी के माडल, उपलब्ध भूमि की उत्पादकता बढाने तथा सतत् आय प्राप्त करने हेतु कृषि वानिकी एवं फार्म वानिकी को अपनाने पर बल देते हुए ओडिसा राज्य हेतु उपयोगी कृषि वानिकी के माडल तथा वृक्षारोपणों द्वारा कार्बन सिक्वेसट्रेशन विषय पर उपस्थित प्रशिक्षाणर्थियो को जानकारी प्रदान की।डा. के सी. चौधरी द्वारा मध्य भारत की कुछ महत्वपूर्ण औषधीय पादप प्रजातियाँ एवं उनके उपयोग तथा मूल्य संवर्धन विषय पर जानकारी प्रदान की। डा. आर.के. वर्मा नें इमारती काष्ठ को कवकों से होने वाली हानि तथा उनके प्रबंधन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डा. नितिन

कुलकर्णी ने वन रोपणियों में कीटों का एकीकृत प्रबंधन विषय पर व्यख्यान देते हुए विभिन्न जैविक, रासायनिक तथा यांत्रिक विधियों का समन्वित प्रयोग कर कम लागत में हानिकारक कीटों के नियंत्रण हेतु पर्यावरणानुकूल विधियों के प्रयोग संबधित प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम हेतु निर्धारित विषयो पर प्रशिक्षण उपरांत उपस्थित प्रशिक्षाणर्थियों के साथ समूह चर्चा के माध्यम से विभिन्न विषयों के संबध में उनकी समस्यायों को सुनकर उसके निराकरण के सुझाव दिए गए। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग के मैदानी अमले के 48 कर्मचारियों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं तथा किसानों की ओर से 15 नें भाग लिया। अंत में प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम संबधि विषयों पर उनकी प्रतिक्रिया भी प्राप्त की गई। सभी ने कार्यक्रम को अच्छा तथा उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अथिति द्वारा प्रशिक्षाणर्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ